राज्यसभा प्रत्याशियों को लेकर सरगर्मियां तेज

प्रशांत कुमार जैन

भोपाल, 26 मई. मध्यप्रदेश में राज्यसभा की तीन सीटों पर चुनाव के लिए प्रत्याशियों के नामों को लेकर सरगर्मियां तेज हो गई हैं और अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि कौन तीन नेता इस राज्य का राज्यसभा में प्रतिनिधित्व करेंगे.

कांग्रेस के दिग्विजय सिंह के अलावा भाजपा के डॉ सुमेर सिंह सोलंकी और केंद्रीय राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन का कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो रहा है. इन तीन सीटों पर चुनाव के लिए अधिसूचना 1 जून को जारी होने के साथ ही नामांकनपत्र दाखिले का कार्य प्रारंभ हो जाएगा, जो 8 जून तक चलेगा. नामांकनपत्रों की जांच 9 जून को होगी और प्रत्याशी 11 जून तक नाम वापस ले सकेंगे. आवश्यकता पड़ने पर मतदान 18 जून को सुबह नौ बजे से अपरान्ह चार बजे तक होगा और फिर शाम को मतों की गणना होगी.

230 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के 164 और कांग्रेस के 64 विधायक हैं. एक सदस्य भारत आदिवासी पार्टी से कमलेश्वर डोडियार हैं. जबकि दतिया सीट रिक्त घोषित कर दी गई हैं. संख्या बल के हिसाब से दो सीट भाजपा और एक कांग्रेस के खाते में जाना तय है. किसी भी दल को एक सीट जीतने के लिए 58 विधायकों के मतों की आवश्यकता रहेगी.

दोनों ही दलों के प्रत्याशियों के नामों को लेकर इन दिनों सत्ता के गलियारों में अलग अलग कयास लगाए जा रहे हैं. दलों ने अभी तक अपने पत्ते नहीं खोले हैं, लेकिन माना जा रहा है कि मूल रूप से केरल निवासी भाजपा प्रत्याशी जार्ज कुरियन को पार्टी फिर से इसी राज्य से राज्यसभा में भेज सकती है. कुरियन ने हाल ही में संपन्न केरल विधानसभा चुनाव भी लड़ा था, लेकिन उन्हें उसमें पराजय झेलना पड़ी.

> इस चुनाव में एक नयी थ्योरी भी चल रही है कि भाजपा तीसरी सीट पर भी जीत सुनिश्चित करने के लिए रणनीति पर कार्य कर रही है. हालाकि इस बात की अब तक पुष्टि नहीं हो पायी है. तीसरी सीट के लिए कांग्रेस से भाजपा में आए पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी का नाम घोषित हो जाए, तो इस पर आश्चर्य नहीं होना चाहिए. माना जा रहा है कि राज्य के एक पूर्व कद्दावर मंत्री तीसरी सीट पर भाजपा की विजय सुनिश्चित करने की रणनीति वरिष्ठ नेताओं को बता रहे हैं.

सोलंकी को फिर से मिल सकता है अवसर

पार्टी सूत्रों का मानना है कि मौजूदा राजनीतिक हालातों के बीच केंद्रीय नेतृत्व डॉ सुमेर सिंह सोलंकी को दूसरे कार्यकाल के लिए अवसर दे सकती है. उनका कार्यकाल बेदाग रहा है और संघ के प्रति उनकी समर्पण भावना भी इस थ्योरी को बल देती है. आदिवासी क्षेत्रों में उनके विशेष कार्यों को इस जगह अनदेखा नहीं किया जा सकता है .प्रत्याशियों के लिए भाजपा में कुछ और नेताओं के नाम भी चर्चा में हैं.

जीतू और अरुण यादव भी दौड़ में

कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने इस बार राज्यसभा में नहीं जाने की इच्छा जतायी है. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव, पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल के अलावा पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ तथा पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह के नामों की भी चर्चा कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में की जा रही है. पार्टी नेताओं का कहना है कि सभी संभावित प्रत्याशी अपनी तरह से प्रयास करने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन अंतिम फैसला हाईकमान का ही होगा.

मुख्यमंत्री ने शिप्रा को ओढ़ाई 351 फीट लंबी चुनरी

अद्भुत संगम

- महाअभियान बनी शिप्रा तीर्थ परिक्रमा यात्रा
- पहली बार गूंजी भारतीय नौसेना बैंड की देशभक्ति धुन
- रामघाट पर भक्ति, संस्कृति और राष्ट्रभक्ति का अद्भुत संगम

नवभारत न्यूज

उज्जैन. गंगा दशहरा पर्व पर निकली मां शिप्रा तीर्थ परिक्रमा यात्रा का मंगलवार को भव्य और ऐतिहासिक समापन हुआ. दो दिनों तक चली इस आध्यात्मिक यात्रा में श्रद्धा, संस्कृति, राष्ट्रभक्ति और जल संरक्षण का अद्भुत संगम देखने को मिला.

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव सपत्नीक यात्रा में शामिल हुए और रामघाट पर मोक्षदायिनी मां शिप्रा का पूजन-अर्चन कर 351 फीट लंबी चुनरी अर्पित की. हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में पूरा शिप्रा तट जय श्री महाकाल और जय मां शिप्रा के जयघोष से गूंज उठा.

मुख्यमंत्री मंगलवार शाम को उज्जैन पहुंचे, जहां हेलीपैड पर जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और भाजपा पदाधिकारियों ने उनका आत्मीय स्वागत किया. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से जल संरक्षण की व्यापक मुहिम चलाई जा रही है. कुएं, बावड़ी, तालाब, नदियों और जल स्रोतों के संरक्षण के लिए हजारों कार्य किए जा रहे हैं. उन्होंने कहा कि जल ही जीवन है और आने वाली पीढ़ियों के लिए जल बचाना सबसे बड़ा दायित्व है.

यात्रा का भव्य समापन: पहले दिन यात्रा रामघाट से शुरू होकर नृसिंह घाट, कर्कराज मंदिर, वेधशाला, महामृत्युंजय द्वार और प्रशांतिधाम होते हुए दत्त अखाड़ा पहुंची, जहां रात्रि विश्राम किया गया. दूसरे दिन यात्रा पुन: विभिन्न घाटों और तीर्थ स्थलों से होती हुई रामघाट पहुंची, जहां भव्य समापन हुआ. श्रद्धालुओं ने मां शिप्रा में दीप प्रवाहित कर पुण्य लाभ अर्जित किया.

पहली बार भारतीय नौसेना बैंड: मां शिप्रा तीर्थ परिक्रमा यात्रा के समापन अवसर पर पहली बार भारतीय नौसेना बैंड ने प्रस्तुति दी. दत्त अखाड़ा घाट पर नौसेना बैंड की देशभक्ति से ओतप्रोत धुनों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नौसेना बैंड की प्रस्तुति का अवलोकन किया और कलाकारों की सराहना की.

भजन संध्या में बही भक्ति की धारा: यात्रा के समापन अवसर पर सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों का भी आयोजन हुआ. इंदौर के कलाकार श्रेयांश शुक्ला और जबलपुर की लोक गायिका संजो बघेल ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं. वहीं बिहार के दरभंगा से आए भजन दल ने भक्तिमय वातावरण निर्मित किया. प्रसिद्ध भजन गायिका मैथिली ठाकुर की प्रस्तुति विशेष आकर्षण का केंद्र रही. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भजन संध्या में शामिल होकर भजनों का श्रवण किया. रामघाट पर देर रात तक श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही. कार्यक्रम में मुख्यमंत्री की पत्नी सीमा यादव, पुत्र वैभव यादव, संत-महंत, सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, भाजपा नेता, प्रशासनिक अधिकारी और हजारों श्रद्धालु उपस्थित रहे.

विधायक बनने से पहले शुरू की थी यात्रा

मां शिप्रा तीर्थ परिक्रमा यात्रा पिछले 24 वर्षों से लगातार निकाली जा रही है. खास बात यह है कि डॉ. मोहन यादव ने इस यात्रा की शुरुआत उस समय की थी, जब वे विधायक भी नहीं बने थे. वर्षों पहले शुरू हुई यह धार्मिक यात्रा अब जनआस्था और नदी संरक्षण का विशाल अभियान बन चुकी है. मुख्यमंत्री बनने के बाद भी वे उसी श्रद्धा और समर्पण के साथ यात्रा में शामिल हो रहे हैं.

25 हजार श्रद्धालुओं ने की दो दिन तक परिक्रमा

इस वर्ष करीब 25 हजार श्रद्धालु दो दिनों तक परिक्रमा यात्रा में शामिल हुए. विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं ने जगह-जगह मंच लगाकर यात्रियों का स्वागत किया. श्रद्धालुओं के लिए ठंडे पानी, शरबत, फल और अल्पाहार की व्यवस्था की गई. यात्रा मार्ग पर भक्ति और सेवा का अद्भुत वातावरण देखने को मिला.

ई-साइकिल का वितरण

मुख्यमंत्री ने आजीविका मिशन, आशा कार्यकर्ता, एएनएम और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को ई-साइकिल वितरित की. उन्होंने कहा कि यह पहल महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, ईंधन बचाने और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है. ई-साइकिल से महिलाओं को गांव-गांव पहुंचकर अपने कार्य करने में सुविधा मिलेगी.

मोबाइल बने सबसे बड़े गवाह, हनीट्रैप कांड में खुलने लगी 'सेटिंग'

- चैट-रिकॉर्डिंग से खुलासा, हनीट्रैप नेटवर्क पर कसता शिकंजा
- सिर्फ ब्लैकमेल नहीं, संगठित नेटवर्क की जांच में जुटी पुलिस
- हनीट्रैप केस में डिजिटल सुराग अहम, कई नाम रडार पर

नव भारत न्यूज

इंदौर. शराब कारोबारी चिंटू ठाकुर की शिकायत से सामने आया हाईप्रोफाइल हनीट्रैप कांड अब शहर की सबसे बड़ी और संवेदनशील जांच बनता जा रहा है. शुरुआत में इसे ब्लैकमेलिंग का सामान्य मामला माना जा रहा था, लेकिन क्राइम ब्रांच की पूछताछ में ऐसे संकेत मिले हैं, जिससे कई रसूखदारों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं.

क्राइम ब्रांच ने श्वेता विजय जैन, अलका दीक्षित, जयदीप दीक्षित, रेशू चौधरी, लाखन चौधरी, विनोद शर्मा और जितेंद्र पुरोहित को कोर्ट में पेश करने के बाद सभी को जेल भेज दिया. हालांकि जांच एजेंसियों के मुताबिक मामला यहीं खत्म नहीं हुआ, बल्कि असली परतें अब खुल रही हैं. पूछताछ में आरोपियों ने कई ऐसे लोगों के नाम उजागर किए हैं, जिनके तार बड़े कारोबारियों और प्रभावशाली नेटवर्क से जुड़े बताए जा रहे हैं. एसआईटी ने आरोपियों से अलग-अलग और आमने-सामने बैठाकर पूछताछ की, जिसमें कई बार बयान बदलने और एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालने की कोशिश भी सामने आई. लेकिन मोबाइल चैट, कॉल रिकॉर्ड और अन्य डिजिटल सबूतों के आधार पर पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं. जांच में सामने आया है कि जब्त मोबाइल फोन इस पूरे मामले की अहम कड़ी बने हुए हैं. इनमें से चैट, वीडियो, कॉल रिकॉर्डिंग और लेन-देन से जुड़ी जानकारियां मिली हैं. साइबर टीम डिलीट डेटा रिकवर करने में जुटी है. पुलिस को आशंका है कि यह मामला केवल एक व्यक्ति को फंसाने तक सीमित नहीं, बल्कि संगठित हनीट्रैप और डिजिटल ब्लैकमेलिंग नेटवर्क का हिस्सा हो सकता है. मामले में प्रधान आरक्षक विनोद शर्मा की गिरफ्तारी के बाद पुलिस महकमे में भी हलचल है. जांच अब इस दिशा में भी बढ़ रही है कि क्या आरोपियों को अंदरूनी मदद मिल रही थी और क्या कुछ मामलों में दबाव या सेटिंग के जरिए कार्रवाई प्रभावित की गई.

लोगों की सूची तैयार कर रहे

सूत्रों के अनुसार पुलिस उन सभी लोगों की सूची तैयार कर रही है, जिनका आरोपियों से संपर्क रहा है. संभावना जताई जा रही है कि आने वाले दिनों में इस मामले में और बड़े नाम सामने आ सकते हैं, जिससे प्रदेश के कई प्रभावशाली लोगों की भूमिका पर सवाल खड़े हो सकते हैं.

पीएम मित्र पार्क के प्रभावित परिवारों का पुनर्वास

- 24 परिवारों को सौंपी नए पक्के मकान की चाबियां

नव भारत न्यूज

इंदौर. धार जिले के बदनावर तहसील में पी.एम. मित्र पार्क के प्रभावित परिवारों के पुनर्वास किया जा रहा है. इस कड़ी में मंगलवार को प्रभावित 89 परिवारों के 24 परिवारों को आवासीय कॉलोनी में पक्के मकान की चाबियां सौंपी गई. अभी तक एमपीआईडीसी ने 48 परिवारों का पुनर्वास कर दिया है. शेष परिवारों का पुनर्वास अगले तीन महीनों में करने का लक्ष्य रखा है.

एमपीआईडीसी धार जिले की बदनावर तहसील में पीएम मित्र पार्क योजना विकसित कर रहा है. उक्त योजना से करीब 89 परिवारों प्रभावित हुए हैं। उक्त परिवारों को एमपीआईडीसी द्वारा अन्य स्थान पर आवासीय कॉलोनी विकसित कर सर्वसुविधायुक्त पक्के मकान का निर्माण कर पुनर्वास किया जा रहा है. आज एमपीआईडीसी ने केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री की मौजूदगी में 24 परिवारों के समूह को नवीन आवासीय कॉलोनी में स्थानांतरित किया. इसके पहले भी 24 परिवारों को कॉलोनी में पुनर्वास किया जा चुका है.

साथ ही शेष 41 परिवारों का पुनर्वास आगामी 3 माह में पूर्ण किए जाने का लक्ष्य तय किया गया है. लगभग 17.49 करोड़ रुपये की लागत से विकसित इस पुनर्वास परियोजना के अंतर्गत नवीन कॉलोनी में स्वच्छ पेयजल हेतु नल कनेक्शन, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, पक्की सड़कें, सुरक्षित एवं कवर परिसर, सीसीटीवी व्यवस्था, प्राथमिक शिक्षा केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तथा बच्चों एवं परिवारों के लिए प्ले ग्राउण्ड एवं पार्क जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं.

जवाहरलाल नेहरू पुण्यतिथि पर कांग्रेस देगी श्रद्धांजलि

विशेष संवाददाता

भोपाल, 26 मई. भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि पर 27 मई को जिला कांग्रेस कमेटी भोपाल शहर द्वारा श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा.

कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे. सुबह 10.30 बजे रोशनपुरा चौराहे स्थित पंडित जवाहरलाल नेहरू की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी. इसके बाद सुबह 11 बजे प्रदेश कांग्रेस कमेटी मुख्यालय इंदिरा भवन स्थित राजीव गांधी ऑडिटोरियम में दूसरा कार्यक्रम आयोजित होगा.

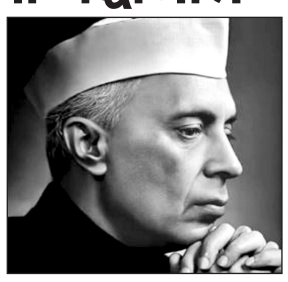

जिला कांग्रेस कमेटी (शहर) अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों से बड़ी संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर पंडित नेहरू को श्रद्धांजलि अर्पित करने की अपील की है.

प्रदेश के 45 शहरों में हीटवेव जैसे हालात

भीषण गर्मी और लू की चपेट में मध्यप्रदेश

भोपाल, 26 मई. मध्यप्रदेश इस समय भीषण गर्मी और लू की चपेट में है. प्रदेश के 45 शहरों में हीटवेव जैसे हालात बने हुए हैं, जबकि पांच जिलों में रेड अलर्ट जारी किया गया है. नौतपा की शुरुआत के साथ ही गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया है.

मौसम विभाग के अनुसार अगले तीन दिन तक राहत मिलने की संभावना कम है, हालांकि 28 मई से प्री-मानसून गतिविधियां तेज हो सकती हैं. प्रदेश में सबसे ज्यादा तापमान छतरपुर जिले के खजुराहो में दर्ज किया गया, जहां पारा 47.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया. नौगांव में 46.8 डिग्री तापमान रिकॉर्ड हुआ. इसके अलावा दतिया, टीकमगढ़, सतना, दमोह, मंडला और रीवा जैसे शहरों में भी तापमान 44 से 45 डिग्री के बीच बना रहा. राजधानी भोपाल में अधिकतम तापमान 43.4 डिग्री और ग्वालियर में 44 डिग्री दर्ज किया गया. इंदौर और उज्जैन में भी तेज गर्मी का असर देखने को मिला.

मौसम विभाग ने निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना और सतना जिलों में तीव्र लू का रेड अलर्ट जारी किया है.

> इंदौर में नौ तपा के दूसरे दिन तापमान ज्यादा नहीं रहा, किंतु सामान्य से 1 डिग्री बढ़ा हुआ था. आज शहर में तापमान 41.2 डिग्री दर्ज किया गया. वहीं रात का तापमान जरूर थोड़ा ज्यादा 27 डिग्री दर्ज हुआ है. शाम छह बजे जरूर तापमान 40.6 के आसपास बना हुआ था, जो सामान्य से 4 डिग्री ज्यादा है. पश्चिमी गर्म हवाओं के कारण हो रही उमस से जरूर गर्मी ज्यादा लग रही है. शहर में गर्मी तो पड़ रही है, लेकिन नौ तपा के हिसाब से देखा जाए तो गर्मी कम है. इतनी गर्मी मौसम के हिसाब से सामान्य ही मानी जाती है.

पेज 1 का शेष

कुआं धंसने से पांच की मौत

या क्या कार्यवाही की जावेगी तो उन्होंने फोन तक उठाना उचित नही समझा. वहीं सीईओ जिला पंचायत ने कहा वे अभी कुछ कहने की स्थिति में नही है. जेसीबी एवं एलएनटी मशीनों की मदद से बड़े स्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया. करीब साढ़े चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दोपहर 3:30 बजे कुएं से पांचों शवों को बाहर निकाला जा सका. गांव के युवक राकेश यादव ने आरोप लगाया कि कुएं का निर्माण कार्य ग्राम पंचायत के सरपंच द्वारा अघोषित रूप से ठेके पर कराया जा रहा था.राकेश ने बताया कि यह वही कुआं है जो पिछले साल भी धंस गया था, बावजूद इसके सुरक्षा इंतजाम किए बिना दोबारा काम शुरू करा दिया गया.उसने बताया कि मिट्टी के नीचे दबे सभी मजदूर एक ही परिवार के सदस्य हैं.घटनास्थल पर चारों ओर मिट्टी के बड़े-बड़े ढेर दिखाई दे रहे हैं.ग्रामीणों के मुताबिक मजदूरों को बिना किसी तकनीकी सुरक्षा व्यवस्था और व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण के कुएं के अंदर उतारा गया था. हादसे ने ग्राम पंचायत बीहरपुरवा और जनपद पंचायत अजयगढ़ की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं.

पूर्व जज गिरिबाला से सीबीआई ने की पूछताछ

डीएसपी निशु कुशवाहा को हाई-प्रोफाइल इस मामले में जांच अधिकारी बनाया गया है. सीबीआई अब कटारा हिल्स थाना पुलिस से सभी दस्तावेजों और सक्ष्यों को लेकर नई दिशा से पूरे केस की जांच कर रही है. अब जल्द सीबीआई कोर्ट में संबंधित केस को ट्रांसफर किए जाने की संभावना है. सूत्रों के मुताबिक टिवशा शर्मा मौत मामले में सीबीआई के अधिकारियों ने मंगलवार को पुलिस कमिश्नर से चर्चा की. टिवशा के पति समर्थ सिंह से भी सीबीआई अब घटनाक्रम को समझने के लिए गहन हिरासत में पूछताछ करने की तैयारी कर रही है. इससे पहले मामले में गठित विशेष जांच दल ने संबंधित वैज्ञानिक साक्ष्यों और समय-सीमा को सत्यापित करने के लिए समर्थ सिंह के साथ घटनास्थल का दौरा कर पूछताछ की थी. टिवशा की मौत के बाद आरोप है कि समर्थ लगभग 10 दिनों तक पुलिस से बचने के फरार चल रहा था.

राज्यसभा चुनाव में स्थानीय नेताओं को मौका

पार्टी सूत्रों की मानें तो भाजपा इस बार सामान्य वर्ग के प्रतिनिधित्व पर विशेष ध्यान केंद्रित कर रही है.भाजपा की ओर से पूर्व मंत्री अरविंद भदौरिया,कांतदेव सिंह, नरोत्तम मिश्रा का नाम आगे चल रहा है लेकिन दूसरे समीकरण को ध्यान में रखकर लाल सिंह आर्य, जयपालसिंह चावड़ा तथा जयभान सिंह पवैया के नाम भी उम्मीदवारों की रेस में आगे चल रहा है. हालांकि दक्षिण के राजनीतिक समीकरण को साधे रखने के लिए केन्द्रीय मंत्री जार्ज कुरियन को फिर से मौका देने को लेकर बहुस्तरीय विचार किया जा रहा है. लेकिन पिछले कई बार से बाहरी नेताओं को मध्यप्रदेश से मौका दिया जाता रहा है इसलिए इस बार आंतरिक राजनीति को ध्यान में रखते हुए पार्टी हाईकमान स्थानीय नेताओं को मौका दे सकता है.

आयोजन 15वीं वाहिनी एसएएफ इंदौर के नवआरक्षकों की संयुक्त दीक्षांत परेड का किया भव्य आयोजन

संविधान की रक्षा का संकल्प लें आरक्षक : मकवाणा

विशेष संवाददाता

भोपाल, 26 मई. मध्यप्रदेश पुलिस के विशेष सशस्त्र बल (एसएएफ) की गौरवशाली परंपरा और अनुशासित विरासत को आगे बढ़ाते हुए इंदौर स्थित रुस्तमजी सशस्त्र पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय परिसर में आरएपीटीसी इंदौर तथा 15वीं वाहिनी एसएएफ इंदौर के नवआरक्षकों की संयुक्त दीक्षांत परेड का भव्य आयोजन किया गया.

समारोह में पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एसएएफ मुख्यालय, भोपाल) चंचल शेखर ने की. अपने संबोधन में डीजीपी कैलाश मकवाना ने कहा कि यह केवल प्रशिक्षण पूर्ण होने का औपचारिक अवसर नहीं, बल्कि अनुशासन, समर्पण, कठिन परिश्रम और राष्ट्रसेवा के संकल्प का उत्सव है. उन्होंने कहा कि नवआरक्षक अब जनविश्वास, संवैधानिक मूल्यों और राष्ट्रीय सुरक्षा के संरक्षक बन चुके हैं.

उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण महाविद्यालय का नाम मध्यप्रदेश पुलिस के पूर्व महानिदेशक तथा सीमा सुरक्षा बल के संस्थापक के. एफ. रुस्तमजी के नाम पर रखा गया है, जिनका पुलिस व्यवस्था को मजबूत करने और पुलिस कल्याण के क्षेत्र में योगदान ऐतिहासिक रहा है. उन्होंने नवआरक्षकों से रुस्तमजी की विरासत से प्रेरणा लेकर कर्तव्य और अनुशासन के उच्च मानदंड स्थापित करने का आह्वान किया.

डीजीपी ने कहा कि पुलिस की वर्दी केवल अधिकार का प्रतीक नहीं, बल्कि सेवा, संवेदनशीलता, साहस और जवाबदेही का दायित्व भी है.

> प्रशिक्षण अवधि के दौरान नवआरक्षकों को ड्रिल, हथियार संचालन, फील्ड क्राफ्ट, कानून-व्यवस्था नियंत्रण, साइबर अपराध से निपटने, आपदा प्रबंधन और आधुनिक पुलिसिंग का व्यापक प्रशिक्षण दिया गया. साथ ही उन्हें चुनाव ड्यूटी और अन्य कानून-व्यवस्था संबंधी दायित्वों का व्यावहारिक अनुभव भी कराया गया. डीजीपी ने चंबल क्षेत्र में दस्यु उन्मूलन अभियान से लेकर नक्सल प्रभावित इलाकों में शांति बनाए रखने तक एसएएफ की भूमिका की सराहना की.

प्रधानमंत्री के 12 वर्ष पूर्ण होने पर मोहन यादव ने दी बधाई

भोपाल. मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को राष्ट्र सेवा के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने पर हार्दिक बधाई दी है. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में भारत ने विकास, आत्मनिर्भरता, सुरक्षा, सांस्कृतिक गौरव, डिजिटल क्रांति और वैश्विक नेतृत्व के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए हैं. उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया अभियान के माध्यम से गांव और गरीब तक तकनीक की पहुंच सुनिश्चित हुई है तथा अंत्योदय की भावना के साथ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया गया है.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 RNI Reg. No.7590/60